

CORRIGENDA IN TEXTU SANSKRITO.

Cap. I. dist. 3, c.	pro मोहात्	leg. लोभात्
II. — 23, c.	— दोषावसाने	— दोहावसाने
— — 66, d.	— षष्ठांश	— षष्ठांश
Idem error (षष्ठ pro षष्ठ) aliquoties occurrit, e. g. V. 8, c. et in margine superiore pagg. 47—55; sed semel eum memorasse sufficiet.		
III. — 54, b.	pro तोचितः	leg. तोचितः
VI. — 31, b.	— प्रयुक्ता	— नियुक्ता
— — 67, a.		— सञ्चारिणी दीप०
— — 83, b.		— धात्रीकराभ्यां करभोपमोरूः
VIII. — 35, b.	— विनिकीर्णा	— परिकीर्णा
IX. — 36, a.	— तराननाः	— विलोचनाः
— — 80, d.		— करोति
X. — 19, d.	— त्स्फु	— त्स्फ
— — 48, a.	— मोक्षध्वे	— मोक्ष्यध्वे
— — 63, d.	— यञ्जुन	— यजन
— — ult.	— ८९	— ८७
XII. — 8, a.		— मङ्गलक्षौमे
— — 23, c.	— भ्रान्तश्च	— आत्मानं
— — 27, a.	— निसृ	— तिसृ
— — 53, a.	— मृगरू	— मृगरू
— — 59, a.	— ततोऽपि	— ततश्च
— — 97, a.	— रामो	— चास्मै
XIII. — 10, b.	— नत्वं	— नत्वात्
— — 22, d.	— ज्ञ	— जिज्ञ